'स्वरचित' - काव्य स्पर्धा

- कवितेचे शीर्षक : - संगीत
- कवी / कवयित्रीचे नाव :- सौ. विमल राव

गितों का साथ हो वह संगीत है |
हर एक भाव हृदयतक पहुंचानेका मार्ग है |
सप्त स्वरोंकी माला गुंफनेका
तरीका इस कला में है |
सा से सागर की गहराई
रे से रेशम जैसा मुलायम स्पर्श
ग से गगन की उंचाई
म से मनका मिलन
प से पंचतत्व की जिज्ञासा
ध से धरतीका रीश्ता
नी से नारायण की नीलिमा
इन सबका मेला बनकर
गीत उभरता जाता है |
औडव, शाड्व, संपूर्ण से
राग अपनी शान बिखेरता है |
कभी दीपक जल उठे
कभी वर्षा हुई
इस थेरपी से कोमा की कंबर तोडी
राजमजीने अपने व्हायोलिन से
बीस बरस कोमा के स्त्री को
जागृत कीया क्या कहने इसके |
नाद अनाहत तक पहुंचा
तभी तो कहते
गानं वाद्यं तथा नृत्यं
जयम संगीत उच्चते |

Anahat Music Therapy